भारतीय संस्क्रिती अऊर स्वास्थ

कृष्ण भग्वाण भारतीय संस्क्रिती क प्रतीक बाऐनं।. श्री कृष्ण जनम सेयं पूर्व देवकी क सात लड़की रहीन अऊर ऊ सब मर गईनं।. श्री कृष्ण क जन्म कारागृह में भयलं रहलं।. ऊ हां ओन्के जान के धोखा रहलं।। ओनकरे पिताजी ओन्हय उहा से तुरत्य हटाय दिहेन अूर ऐथा बीना जिदां रहेनं।. कवन्व लडिक्याॅ जन्म से हि बीमारी होईत ओके जहाॅसे या जवने जगह सहायता मिलयं ऊहाॅ ओके तुरंत्य लेय जायके चाहीं।. कृष्ण नदं के घरे गऐनं।. उहाहं जारानठें गाय रहीन, लेकीन क्रिष्ण सीर्फ दूध पिके जीदां नाय रहेनं।। ओन दुसरकी महतारीक दूध पियत रहेन।. ई तरिका से सब अस्पतालेमें कवनव औरतन के प्रसूती बाद दूध न आवत होईत कवनव दुसरे महतारीक दूध पियाव्यं के चाही।. चार गोड वाली गाय के अपेक्षा दुई गोड वाली कवनव मौसी क दूध अईसे लडिक्यन के ज्यादा लाभ दायक बां।. नदं के घरे हजारठें गाय होत हुवेभी कृष्ण भी गाय क दूध पीयेन ई बातक कत्वभी उल्लेख (चर्चा) नाय बां।. मख्खन खाऐबाऐन ऐकर जरुर चर्चा भईलं बां।. अगर कुल लडिक्यन अगर मख्खन खईहीत ओन्हनव भी अच्छा होईहीं।. मख्खन के उपर टागं देथेन अऊर लडिक्यन के ओके चुरायके खाऐ पडथं।. देश में लडिक्यन अधमरा अूर कमजोर होथेनं अऊर बालमृत्यू भी ज्यादा

मात्रा में होथं।. ऐम्मा आश्चर्यक का बात बां कि दही हंडी क सिर्फ त्यवहार मनावा जाथं।. अपने लडिक्यन के त चोरायके खाऐ पडथं।.

ऐहिबीना खाना अऊर पानी अईसवे जगह पे रखयं के चाही जहॉ से ऊ आसानी से लेयं सक्यं।.

कृष्ण के मारय बीना पुतना मौसी आयल रहीन ओनकर वध किहे रहेनं।. ई जन्म में पूतना मौसी मतलब दूध क बोतल बां।. जवने घरेमें लडिक्यन के दूध बोतले से पियावथेन ऊ घरेमें लडिक्यन के दस्त जरुर लगथं अऊर ओनकर मरयं क संभावना भी होथं।. ऐहिबीना 1992 में विरारय में हमसभे दुध के बोतले क होली जलाऐ रहेंह। ई समाचार पेपर में भी विशेष रुप से छापा गयल रहतं।.

कृष्ण क दोस्त सुदामा ओनकरे बिना पोहा लेय गयलं रहेनं।. आज भी लडिक्यन के चन्ना, मुंगफली दाना क खाना होव्य के चाहीं।. जेके ई मागं के खाऐ पडथं ओन्हने अल्पायुषी होथेनं।. दुर्भाग्य से ई देश के 25 प्रतिशत लोग कमजोर अऊर दुर्बल अल्पायुषी बाऐनं। ओन्हव चन्ना, मूंगफली खाऐके देव्यके चाहीं।.

टि.बी. ग्रस्तमनई अगर खांसथ त ओकरे खांसी से जवन जन्तूं बहरे आवथेन ऊ जन्तूं ऊ कमरामें बईठलं अन्य लोगन के सांस से सांस के क्रिया द्वारा ओन्हनके शरीर में जाथं।. जवन अशक्त अऊर कमजोर होथेन ओन्हन के ई बीमारी होथं।. भारत में लोग अगर सशक्त अऊर बलवान होय जाथेन त क्षय रोग क मात्रा कम होय जाथं।. चन्ना, दाना से जेब, द्रोपदी क थाली भरल रहत रहा वईसन जेब भी अक्षय मतलब हमेशा भरलं रहयं के चाहीं।. अईसन होव्य से देश क सब

जने शक्तीमान बनही।.

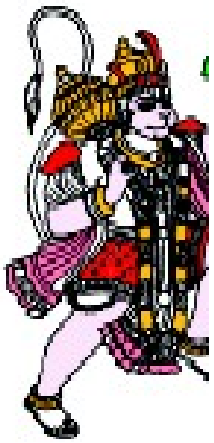

हनुमान आपन आदर्श बाऐनं।. ज्यादा बलवान, बुद्धिमान अऊर अपने मनेके अनुसार तेजवाला हनुमान जईसे आपन कुल युवा लडिक्यॉ, लडकीन होव्यके चाहीं।. हनुमान के एक्खे नारियल अऊर तेल चढावथेनं वईसेही कटोरी में चन्ना, मुंगफली दाना, तेल हर अशक्त व्यक्तीके रोज खाऐसे ओकर वजन बढीं।. विदर्भ अऊर मराठवाडा क्षेत्र में खाना में रोज एक कटोरी तेल खाथेनं।. अईसन पुरे महाराष्ट्र में होव्यके चाहीं।. कमजोर लोग अल्पायुषी होथेनं। आदमी के हर वक्त सशक्त होव्यके चाही।. खाना खाऊब त घी से नाहीत भूखा, रहबं, ई सच बां।.

नारियल में 60 प्रतिशत तेल होथं।. लेकीन ऐके पानी बीना फोडा जाथं।. ऐसे ज्यादा गलत बात ई देश में नाय होय़ सकंत।. 10,000 करोड रुपियॉक मीठातेल आपन सभे मलेशीया से खरीदिथं अऊर 60 प्रतिशत तेल देव्यवाला नारियल आपन सभे खोबरा बीना फोड देईथं।.